Notes

कुँड़ुख के लिये कोल भाषा बिन्दु लेखकों द्वारा दिया है।

कुँड़ुख भाषा की विशेषताएँ :-

1 कुँड़ुख के विसर्ग का उच्चारण, संस्कृत से भिन्न होता है।

आलका: - बैठो   तराअ: - आओ

चोमा: - उठो   सोचाअ: - सोचो

मला: - नहीं   कोराअ: - घुसो

(संस्कृत में विसर्ग को 'ह' उच्चारित कर पढ़ा जाता है। परन्तु कुँड़ुख में विसर्ग (:) का उच्चारण शब्दांत में कंठवायु को अवरुद्ध कर किया जाता है। इसे काकल्य ध्वनि अर्थात् ग्लोटल चेक साउंड कहते हैं।

(2) कुँड़ुख में भी हिन्दी की तरह ह्रस्व एवं दीर्घ दोनों प्रकार के स्वर होते हैं -

ह्रस्व स्वर   दीर्घ स्वर

अ, इ   आ, ई, ए, ओ, औ

किन्तु कुँड़ुख में ह्रस्व का प्रयोग अधिक होता है। जैसे - चिआ: - दो, अम्बा - यहाँ, इना - इधर, अखय - बहुत, अधिक, आसन - वहाँ, इसन - यहाँ, अधिक अस्या, इसमें इस्या - इसमें, एम्हयं - हमलोगों का, अया - माँ, इंगियो - मेरी माँ, अरगा - चढ़ो, अम्बा - छोड़ो, ओसर - सभी अरखनर - जानते हैं, उर्मि - सब।

Notes

3.) कुँड़ुख भाषा में स्वर वर्ण के ए और वर्ण की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

(4) कुँड़ुख में भी हिन्दी की तरह ही वर्ण होते हैं किन्तु (ख) का उच्चारण विशेष ढंग से किया जाता है। 'ख' को ख़ एवं पढ़ा जाता है जैसे — खाख़ा।

(5) कर्ता स्त्रीलिंग अथवा पुलिंग हो क्रिया रूप नहीं बदलता है —
जोंगे सर काट रहा है — जोंगे सरन खंडा लगदस
प्रभा काट रही है — प्रभा खंडा लगी।

(6) कुँड़ुख भाषा योगात्मक है इसमें शब्दों के आरंभ मध्य तथा अन्त में कुछ वर्ण जोड़ने पर अर्थ में परिवर्तन होता है —

शब्द — पूर्व योगात्मक
खाना — ओन्ना
खिलाना — ओन ताअना
एक दूसरे को खिलाना — ओन्दा नन्ना सिन ओन्तअना
खाद्य पदार्थ — ओन्नाआ — मोख़तअना मिनाझिरना
मारना — लवना
बांधना — ईठना
बंधन — बंधना
एक दूसरे को बांधना — आन्दा दुसरा सिन इठअना

Notes

7) कुँड़ुख में 'क्ष' 'ण' 'श' का उच्चारण नहीं होता- केवल 'स' से ही काम चलता है। क्ष का 'ख' उच्चारण होता है।
जैसे- कोशिश - कोसिस, परीक्षा - परीख, कोष - कोस
भाषा - भासा, नशा - नसा, शब्द - सबद

8) 'ऋ' का भी उच्चारण 'री' होता है
जैसे - रीति, रिसि

9) कुँड़ुख की अपनी विशेषताएँ हैं। एक ही क्रिया के लिए कुछ शब्दों का अर्थ, जगह विशेष पर अलग-अलग होता है।

जैसे - हिन्दी — कुँड़ुख

हिन्दी	कुँड़ुख
काटना / कटना	खंडना, खंडरा, खंडरोओ
रस्सी काटना	एपना खंडना
पौधा काटना	खाप्पा थोपना, खंडना
मनमुताबिक काटना	लगहैं मने खंडना लगहैं मनमुताबिक खंडना
दो टुकड़ों में काटना	ऐड़ टुकड़ा खंडना
वृक्ष काटना	मन्न तालना, मन्न खंडना
ध्यान काटना	खेरस खोयना
दाँत से काटना	खे पलन ती पसना
दिन काटना	उल्ला बितारमना
समय काटना	बेड़ा खपना
किसी बर्तन को तोड़ना	हन्दरिम सजगानि खोलना
खस्सी काटना	खसी पिटना, खसी खोलना, खसी एड़नना

Scanned with CamScanner

Notes

10) कुँड़ुख़ में शब्दों का स्थान वाक्यों में स्वतंत्र रहता है। किसी भी स्थान पर लगाया जा सकता है।

मैं खाना खाता / खा रहा हूँ।

एन मंडी ओनोन दड़कन / ओना लगदन

मैं खाना खाता हूँ / खा रहा हूँ

एन मंडी ओदन / ओना लगदन

(11) कुँड़ुख़ में महाप्राण शब्दों का उच्चारण किसी विशेष परिस्थिति अर्थात आवेश, क्रोध में आकर ही किया जाता है। जैसे — पीटना — लेबना

लाथ (लात) मारना — लथना / लथियान

(12) कुँड़ुख़ में संस्कृत की तरह वचन होते हैं —

एक वचन

पुरुष	हिन्दी	कुँड़ुख़	बहुवचन हिन्दी	कुँड़ुख़
प्रथम	मैं	एन	हमलोग	एम
मध्यम	तुम	नीन	तुमलोग	नीम / नीर
अन्य	वह	आस	वे लोग	आर

द्विवचन

पुरुष	हिन्दी	कुँड़ुख़
	हम दोनों	एम डुयाम
	तुम दोनों	नीन इयार
	वे दोनों	आर इयार

Scanned with CamScanner